

## आकाश मिसाइल के एडवांस वर्जन का सफल परीक्षण

### चर्चा में क्यों?

27 अप्रैल, 2022 को सरहदी ज़िले जैसलमेर के पोखरण फ़ील्ड फायरिंग रेंज में आकाश मिसाइल के एडवांस वर्जन आकाश प्राइम का सफल परीक्षण किया गया।

### प्रमुख बंदि

- गौरतलब है कि आकाश मिसाइल भारत में बनी ज़मीन-से-हवा में मार करने वाली मिसाइल है। इसे ज़मीन पर किसी भी वाहन या स्थायी जगह से दागा जा सकता है।
- आकाश मिसाइल परिवार में अब तक कुल 2 मिसाइलें थीं, अब आकाश प्राइम इस वर्ग की तीसरी अहम मिसाइल बन गई है। ये मिसाइलें हवा में किसी भी तरह के एयरक्राफ्ट को नष्ट करने में सक्षम है।
- इस मिसाइल की रेंज आसमान में 30 किलोमीटर तक है और ये एक बार में 60 किलोग्राम तक पेलोड ले जा सकती है। ये मिसाइल हवा में भी नयित्प्रति की जा सकती है और खुद भी सेंसरस के ज़रिये ड्रॉस से लेकर फाइटर जेट्स तक को नशाना बना सकती है।
- आकाश प्राइम ऊँचाइयों पर उड़ रहे फाइटर जेट्स से लेकर ड्रॉस, क्रूज मिसाइल, एयर-टू-सर्फेस मिसाइल और बैलस्टिक मिसाइलों को भी आसानी से भेदने में सक्षम है। ये बेसकि आकाश मिसाइल के मुकाबले करीब 10 गुना ज़्यादा इलाके को स्कैन कर सकती है।
- मिसाइल की खास बात है कि यह दुश्मन के वमिनो का पता लगाकर आसमान में ही ध्वस्त करने में सक्षम है। यह मिसाइल वमिन को 30 कमी. दूर और 18 हज़ार मीटर ऊँचाई तक टारगेट कर सकती है।
- आकाश मिसाइलों को डीआरडीओ ने विकसित किया है और इनका उत्पादन भारत डायनेमिक्स लिमिटेड की ओर से किया जाता है। इसके सर्विलांस, रडार, कमांड सेंटर और लॉन्चर को बनाने की ज़िम्मेदारी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स (बीईएल), टाटा पावर स्ट्रैटजिक इंजीनियरिंग डेविजिन और लार्सन एंड टूब्रो के पास है।